STUDENT LEARNING STYLES

A QUICK GUIDE
(ENGLISH-HINDI)

E-पाठन By Varitra

Different Learning Styles

E-पाठन By Varitra

What is learning?

Learning is the act of acquiring new or modifying and reinforcing existing, knowledge, behaviours, skills, values, or preferences.

1. Physical

- Using hands or body
- Sense of touch

2. Auditory

- Using sound or music
- Audio books

3. Verbal

- Speech
- Writing

4. Visual

- Using hands or body
- Sense of touch

5. Social

- Group learning
- Group activities

6. Solitary

- Self-study
- Parent to child

WHAT IS LEARNING?

सीखना क्या है ?

शिक्षा का सर्व प्रथम उद्देश्य ही सीखना है .....

सीखना नए ज्ञान, व्यवहार और आदतों को ग्रहण करने की क्रिया है। साथ ही मौजूदा ज्ञान, व्यवहार, मूल्यों और कौशल को मजबूत करना भी सीखना ही कहलाता है।

हर छात्र के पढ़ाई करने व समझने का तरीका अलग-अलग होता है। यह ज़रूरी है कि हम छात्रों के सीखने के सही तरीके को समझे और उस आधार पर उनके साथ काम करें जिससे वे आसानी से सीख सकें। आइये, अलग-अलग तरह की शिक्षण शैलियों के बारे में जानते हैं ...

शिक्षण शैलिओं के प्रकार ...

PHYSICAL LEARNER

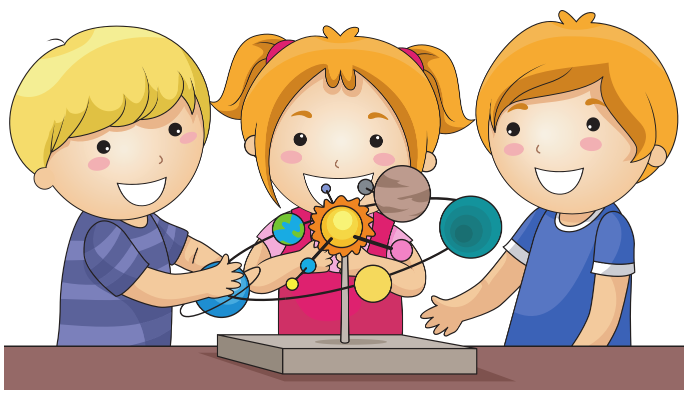

ऐसे छात्र जिनको किसी भी चीज़ को समझने के लिए प्रैक्टिकल एक्सपेरिमेंट्स की ज़रूरत पड़ती है। ऐसे छात्र किसी भी टॉपिक को लेक्चर के ज़रिए उतनी अच्छी तरह नहीं समझ सकते जितनी जल्दी वह प्रैक्टिकल उदाहरणों के जरिये समझ पाते हैं।

इस तरह के छात्र लैबस या क्लास रूम के बाहर एक्टिविटी के ज़रिये अच्छा परफॉर्म करते हैं। इसीलिए ऐसे छात्रों को हमेशा प्रैक्टिकल तरीके से टॉपिक को रिलेट करके समझना चाहिए, जिससे उन्हें पढ़ने में भी आसानी होगी और कोई भी टॉपिक अच्छी तरह समझ भी आएगा।

AUDITORY LEARNER

ऑडिटरी या ओरल लर्नर किसी भी टॉपिक को समझने के लिए उसे सुन कर समझना पसंद करते हैं। जैसे कि क्लास रूम के लैकचर से, किसी स्पीच से, ऑडियो के फॉर्म में या अन्य किसी मौखिक बातचीत के ज़रिए।

ऐसे छात्र जिनको खुद से किताबें पढ़ के समझने की जगह सुन कर जल्दी और अच्छी तरह समझ आता है उनको हमेशा यह प्रयास करना चाहिए कि वह अपने विषय से जुड़ी टॉपिक्स पर ऑडियो सुन कर समझें, या आप अपने टीचर के जरिये पढ़ाए गए लेक्चर को भी रिकॉर्ड कर सकते हैं ताकि जब आप उस टॉपिक को दुबारा पढ़ें या रिविज़न करे तो टीचर द्वारा समझाए टॉपिक को सुनकर अच्छी तरह समझ सकें। इसके लिए आज कल ऐसे कई ऑनलाइन साइट्स भी हैं जहाँ से आप मदद ले सकते हैं।

VERBAL LEARNER

वर्बल या मौखिक लर्निंग में छात्रों के लिए सुनना, बोलना और ग्रुप में मिलकर सीखना प्रभावशाली है। शुरूआत में अपने नोट्स को ज़ोर से पढ़ना और अपने स्वयं के मौखिककरण के माध्यम से बच्चों को आसानी से टॉपिक समझ व याद हो जाता है।

अपने सहपाठियों के साथ समूह में पढ़ना जिसमें वे एक-दूसरे को बोल व समझाकर सीखाने से ऐसे छात्रों को बहुत फायदा मिलता है। इसके अलावा, प्रत्येक पाठ के बाद अपनी पाठ्यपुस्तक को पढ़ने से भी इन्हें मदद मिलती है।

टॉपिक को चित्रों, संघों और एक्टिविटीज का उपयोग करके उस पर बातचीत करने से उस टॉपिक को सीखाने की कोशिश भी की जा सकती है।

VISUAL LEARNER

ऐसे छात्र जिन्हें किसी भी विषय को समझने के लिए लिखित (टेक्स्ट) फॉर्मेट की जगह विडियो और चित्र के द्वारा जल्दी समझ आता है, ऐसे छात्रों को विजुवल लर्नर कहते हैं।

ऐसे छात्रों को हमेशा अपने नोट्स तैयार करते समय ज्यादा से ज्यादा डायग्राम और फ्लो चार्ट की मदद लेनी चाहिए। यदि आपको कोई टॉपिक समझने में परेशानी हो रही है तो आप उससे सम्बंधित विडियो भी देख कर बड़े आसानी से टॉपिक को समझ सकते हैं।

विजुअल लर्नर जैसे छात्रों को हमेशा टेक्स्ट फॉर्मेट वाले टॉपिक को समझने के लिए छोटे- छोटे कांसेप्ट स्टोरी तथा डायग्राम का इस्तेमाल करना चाहिए।

SOCIAL LEARNER

सोशल लर्नर वाले छात्र को ग्रुप स्टडी की प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसे छात्रों को अकेले पढ़ने की बजाये ग्रुप में पढ़ना ज्यादा पसंद आता है। ऐसे छात्रों के साथ कोशिश करनी चाहिए कि जब भी उन्हें कोई टॉपिक समझ नहीं आ रहा हो वह अपने दोस्तों से उस टॉपिक पर चर्चा करें।

अपने क्लास के कुछ छात्रों के साथ एक स्टडी ग्रुप बना कर हर एक टॉपिक को पढ़ने के बाद उस पर मिलकर चर्चा करें ताकि वह टॉपिक अच्छी तरह समझ आ जाए। यह तरीका भी उस विषय को समझने और याद रखने में प्रभावशाली साबित हो सकता है।

SOLITARY LEARNER

सोशल लर्नर्स के विपरीत कुछ ऐसे भी छात्र होते हैं जिनको ग्रुप की जगह अकेले पढ़ना ज्यादा पसंद होता है। यदि सोलिटरी लर्नर्स को आप ग्रुप स्टडी के लिए बोले तो उनके लिए यह संभव नहीं होगा कि वह सबके साथ बैठ कर किसी भी टॉपिक को उतनी अच्छी तरह समझ सकें जितना की वह अकेले शांत जगह बैठ कर पढ़ सकते हैं।

यह कोशिश करना चाहिए कि ऐसे छात्रों को पढ़ते समय एकांत में पढ़ने की जगह दी जाए जिससे वे बेहतर ढंग से सीख सकें व उसे याद रख सकें।

ई-पाठन

BY VARITRA FOUNDATION

Varitra

FOUNDATION

CULTIVATING SUSTAINABLE COLLABORATIONS